



19 February, 2024

अंतर्राष्ट्रीय प्रकाश प्रदूषण दिशानिर्देश

संदर्भ: प्रवासी प्रजातियों और जंगली जानवरों पर कन्वेंशन (CMS) ने प्रवासी प्रजातियों के लिए प्रकाश प्रदूषण पर अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देश विकसित किए हैं।

पृष्ठभूमि:

- चार वर्ष पहले जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर कन्वेंशन (CMS COP 13) के पक्षकारों के सम्मेलन की 13 वीं बैठक के दौरान प्रकाश प्रदूषण एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभरा।
- विगत 17 फरवरी, 2024 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में CMS COP14 के बाद इस तरह के दिशानिर्देश विकसित किए गए थे।
- इस सम्मलेन में स्वच्छ जल, वायु और मृदा के बराबर प्राकृतिक अंधकार के संरक्षण मूल्य को मान्यता दी गई है।

प्रकाश प्रदूषण का प्रभाव:

- वर्ष 1992 और वर्ष 2017 के बीच कृत्रिम प्रकाश उत्सर्जन में 49% से अधिक की वृद्धि हुई, जिससे वन्यजीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ा।
- प्रवासी प्रजातियों में व्यवहारिक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तन ला सकता है।



दिशानिर्देश अवलोकन:

- यह दिशानिर्देश वर्ष 2020 में ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा विकसित 'समुद्री कछुए, समुद्री पक्षी और प्रवासी शोरबर्ड सहित अन्य वन्यजीवों के लिए राष्ट्रीय प्रकाश प्रदूषण दिशानिर्देश' से प्रेरित है।
- संस्थ ही इस दिशानिर्देश में वन्यजीवों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए प्रकाश प्रदूषण को कम करने की सिफारिश की गई है।
- यह दिशानिर्देश प्रजातियों के व्यवहार, प्रवासन और प्रजनन पर कृत्रिम प्रकाश के प्रभावों को समझने के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन को महत्व देता है।

अनुकूलित उपयोग:

- समय, रंग और तीव्रता के प्रबंधन सहित अन्य गतिविधियों में प्रकाश के संयमित उपयोग किये जाने चाहिए।
- प्रकाश प्रदूषण से बचने और गैर-परावर्तक, गहरे रंग की सतहों का उपयोग करने की अनुशंसा की गई है।
- साथ ही विशिष्ट रंग तरंग दैर्घ्य से बचने के उपाय किये जाने चाहिए।

प्रकाश प्रदूषण का प्रबंधन:

- वर्तमान दिशानिर्देश में वन्यजीव आवासों के 20 किलोमीटर के दायरे में अत्यधिक रोशनी से बचने की सलाह दी जाती है।
- इस समय मौजूदा प्रकाश प्रदूषण के प्रबंधन संबंधी आम जन जीवन को जागरूक किया जाना आवश्यक है।

वन्य जीवन पर प्रभाव:

- समुद्री और स्थलीय दोनों तरह के पक्षी 15 किमी दूर तक रोशनी से प्रभावित हो सकते हैं, जिससे उनमें भटकाव और टकराव दोनों हो सकता है।

- कृत्रिम प्रकाश पक्षियों के चारा खोजने, घोंसला बनाने और प्रवास के पैटर्न को बाधित कर सकता है, जिससे प्रजनन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।
- सफेद रोशनी के संपर्क में आने से सोनिगबर्ड्स में तनाव हार्मोन का स्तर बढ़ सकता है, जिससे उनका प्रजनन स्तर प्रभावित हो सकता है।
- यदि समुद्र तटों पर अत्यधिक रोशनी की जाती है तो समुद्री कछुए अंडे देने में असक्षम हो सकते हैं, जिससे उनके अस्तित्व पर असर पड़ेगा।
- स्तनधारी, सरीसृप और मछली जैसी अन्य प्रजातियाँ भी प्रकाश प्रदूषण से प्रभावित हो सकती हैं।

सफलताएं:

- पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में बैरो द्वीप पर गोर्गन तरलीकृत प्राकृतिक गैस संयंत्र ने आकाश की चमक को कम करने और समुद्री कछुए प्रबंधन में सहायता के लिए प्रकाश व्यवस्था का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है।
- ऑस्ट्रेलिया के विकटोरिया में फिलिप द्वीप पर प्रवासी छोटी पूंछ वाले शीयरवाटर्स को प्रभावी प्रकाश प्रबंधन प्रथाओं से लाभ हुआ।

राष्ट्रीय किसान आयोग (NCF), 2004

संदर्भ: राष्ट्रीय किसान आयोग की सिफारिशों के आधार पर इस समय सभी किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के लिए कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं।

पृष्ठभूमि:

- इस वर्ष मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन ने वर्ष 1960-70 के दशक में भारतीय कृषि को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- स्वामीनाथन के नेतृत्व में 18 नवंबर 2004 को कृषि मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय किसान आयोग (NCF) का गठन किया गया।
- इस आयोग में पूर्णकालिक सदस्य थे: डॉ. राम बदन सिंह और वाई.सी. नंदा; अंशकालिक सदस्य: डॉ. आर.एल. पितले, जगदीश प्रधान, चंदा निंबकर, और अतुल कुमार अंजन; और सदस्य सचिव अतुल सिन्हा थे।

संदर्भ की शर्तें:

- इस आयोग को खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीति सुझाने का काम सौंपा गया था।
- भारत में प्रमुख कृषि प्रणालियों की उत्पादकता, लाभप्रदता और स्थिरता बढ़ाने के लिए इसे निर्देशित किया गया था।
- कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के न्यूनतम साझा कार्यक्रम का प्रतिबिंब।

प्रस्तुत रिपोर्टें:

- दिसंबर 2004 और अक्टूबर 2006 के बीच, NCF ने कुल 1,946 पृष्ठों की पांच रिपोर्टें प्रस्तुत कीं थीं।
- इस रिपोर्ट में किसानों के प्रति सहानुभूति रखने वाली रिपोर्टें में न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) समेत अन्य सिफारिशें शामिल थीं।

प्रथम रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- शीर्षक: "किसानों की सेवा और खेती बचाना"।
- इस रिपोर्ट में तीव्र कृषि संकट पर जोर दिया, कृषि में कामकाजी महिलाओं के लिए समर्थन की वकालत की, फार्म स्कूलों की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया।

दूसरी रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- शीर्षक "संकट से आत्मविश्वास तक"।
- इस रिपोर्ट में अनुबंध खेती के लिए आचार संहिता की सिफारिश की गई थी। साथ ही राज्य एपीएमसी अधिनियमों और आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन की सिफारिश भी की गई थी।
- यह सिफारिशें वर्ष 2020 में मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए कानूनों के समान, बाजार-समर्थक सुधारों के अनुरूप हैं।

Face to Face Centres

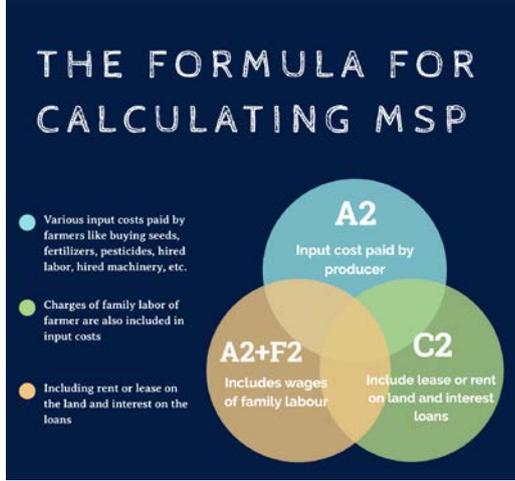




19 February, 2024

➤ MSP सिफारिशें:

- राष्ट्रीय किसान आयोग ने किसानों की मांग के अनुरूप सी2 प्लस 50% पर आधारित एमएसपी की सिफारिश नहीं की है।
- लेकिन MSP जारी करने में देरी से बचने और सभी क्षेत्रों में कार्यान्वयन में सुधार का आग्रह किया गया है।
- MSP सिफारिशों में उत्पादन की लागत निर्धारित करने में व्याप्त जटिलताओं को रेखांकित किया गया और CACP द्वारा विभिन्न कारकों पर विचार करने का आग्रह किया गया।



➤ समग्र सिफारिशें:

- MSP को उत्पादन की भारत औसत लागत से कम से कम 50% अधिक रखने की सिफारिश की गई है।
- CACP को कृषि वस्तुओं के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने वाली एक स्वायत्त वैधानिक संस्था बनाने का आह्वान किया गया है।
- सिविल सेवकों के बराबर किसानों की शुद्ध आय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

नॉटी बॉय (Naughty Boy)

संदर्भ: विगत 18 फरवरी को, इसरो ने पृथ्वी की सतह, वायुमंडल, महासागरों और पर्यावरण की उन्नत निगरानी के लिए नई पीढ़ी का मौसम संबंधी उपग्रह INSAT-3DS लॉन्च किया।

➤ INSAT-3DS उपग्रह का प्रक्षेपण:

- पृथ्वी की सतह, वायुमंडल, महासागरों और पर्यावरण की निगरानी बढ़ाने के लिए इसरो द्वारा 18 फरवरी, 2024 को INSAT-3DS लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य मौजूदा मौसम संबंधी उपग्रहों की क्षमताओं को बढ़ाना साथ ही मौसम और जलवायु भविष्यवाणी सेवाओं, प्रारंभिक चेतावनियों और आपदा प्रबंधन में सुधार करना है।

➤ GSLV रॉकेट:

- INSAT-3DS को GSLV-F14 रॉकेट द्वारा अपनी निर्धारित भूस्थैतिक कक्षा में ले जाया गया।
- PSLV और LVM3 के साथ GSLV इसरो के मुख्य रॉकेटों में से एक है, लेकिन इसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिससे इसे "नॉटी बॉय" उपनाम मिला है।
- इससे पहले 15 GSLV प्रक्षेपणों में से चार असफल रहे थे, जिसका मुख्य कारण इसके क्रायोजेनिक इंजन में समस्या थी।

➤ प्रक्षेपण यान मार्क-3 (एलवीएम-3):

- पहले जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (GSLV) मार्क-III के रूप में जाना जाता था।
- हाल ही में 36 उपग्रहों के लॉन्च ने भारत के सबसे भारी रॉकेट, LVM-3 के छठे मिशन को उल्लेखनीय उपलब्धि दिलाई।
- इसने हाल ही में नेटवर्क एक्सेस एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) द्वारा शुरू किया गया दूसरा समर्पित वाणिज्यिक उपग्रह मिशन आयोजित किया था।

• GSLV क्या है?

- GSLV एक 3 चरण वाला अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान है जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा उपग्रहों और अन्य अंतरिक्ष वस्तुओं को पृथ्वी से लगभग 37,000 किमी ऊपर जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट्स (GTO) में लॉन्च करने के लिए संचालित किया जाता है।
- इस वाहन के तीसरे चरण में क्रायोजेनिक इंजन का उपयोग किया जाता है, जो प्रगोदन के लिए ईंधन के रूप में तरलीकृत ऑक्सीजन और हाइड्रोजन का उपयोग करता है।
- GSLV को विशेष रूप से संचार उपग्रहों को कक्षा में लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह उपग्रहों को उच्च अण्डाकार कक्षाओं, विशेषकर जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में पहुंचाने में सक्षम है।

➤ GSLV के साथ चुनौतियाँ:

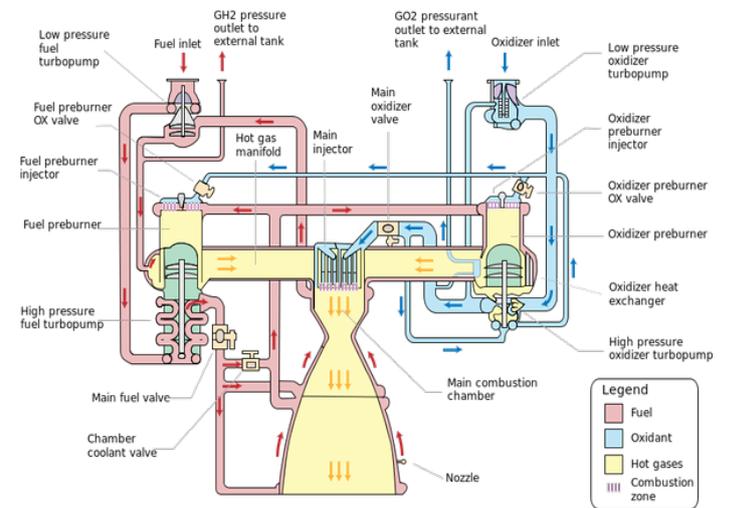
- रूसी डिज़ाइन के विपरीत रिवर्स-इंजीनियरिंग के आधार पर तैयार किया गया GSLV का क्रायोजेनिक इंजन, अपनी उच्च विफलता दर के कारण इसरो के लिए लगातार चिंता का विषय रहा है।
- हालांकि इसमें तरल हाइड्रोजन का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है, लेकिन इसे बेहद कम तापमान पर इसमें तकनीकी चुनौतियाँ आती रहती हैं।
- इस संदर्भ में क्रायोजेनिक इंजन के लिए रूस के साथ किया गया समझौता विभिन्न अंतरराष्ट्रीय दबावों के कारण रद्द कर दिया गया था, जिसके कारण भारत में स्वदेशी क्रायोजेनिक तकनीक विकसित करने के प्रयासों को कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

➤ स्वदेशी क्रायोजेनिक प्रौद्योगिकी:

- यद्यपि भारत ने अपना स्वयं का क्रायोजेनिक इंजन सफलतापूर्वक विकसित कर लिया है, जिसका उपयोग LVM3 रॉकेट में किया गया है और अब तक इसकी जिसकी सात सफल उड़ानें हो चुकी हैं।
- GSLV में प्रयुक्त रिवर्स-इंजीनियर्ड क्रायोजेनिक इंजन की तुलना में इस स्वदेशी तकनीक को अधिक विश्वसनीय माना जाता है।
- ऐसा माना जाता है, कि इसरो के वैज्ञानिकों के पास स्वदेशी क्रायोजेनिक तकनीक के प्रबंधन में अधिक विशेषज्ञता है।

➤ भविष्य की चुनौतियाँ और संभावनाएँ:

- GSLV के INSAT-3DS के सफल प्रक्षेपण ने कुछ चिंताओं को कम कर दिया है, लेकिन इसके प्रदर्शन को आगामी NISAR उपग्रह मिशन के साथ एक महत्वपूर्ण परीक्षण का सामना करना पड़ेगा।
- NISAR, ISRO और NASA के बीच का सहयोगात्मक रूप से, GSLV के लिए एक प्रतिष्ठित मिशन होगा जो इसकी भविष्य की विश्वसनीयता और क्षमताओं का निर्धारण करेगा।



Face to Face Centres



NEWS IN BETWEEN THE LINES

एपीडा



हाल ही में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, एपीडा ने समुद्र के माध्यम से भारत से रूस तक केले के निर्यात की सुविधा प्रदान की है। एपीडा के बारे में:

- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) एक वैधानिक निकाय है जो भारत से कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देता है।
- यह भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन एक शीर्ष संगठन है।
- इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1985 के तहत की गई थी।
- एपीडा कार्यों में उतपादों का निरीक्षण करना, पैकेजिंग में सुधार करना और भारत के बाहर अनुसूचित उत्पादों के विपणन को बढ़ाना शामिल है।
- अनुसूचित उत्पादों में फल, सब्जियां, मांस, पोल्ट्री, डेयरी उत्पाद, कन्फेक्शनरी, बिस्कुट, बेकरी उत्पाद, शहद, गुड़ आदि शामिल हैं।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

ज्ञानपीठ पुरस्कार



प्रसिद्ध उर्दू कवि गुलज़ार और संस्कृत विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को हाल ही में 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चुना गया है।

ज्ञानपीठ पुरस्कार के बारे में:

- ज्ञानपीठ पुरस्कार भारत का सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार है जो किसी लेखक को उनके "साहित्य के प्रति उत्कृष्ट योगदान" के लिए प्रतिवर्ष दिया जाता है।
- यह भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रदान किया जाता है जिसे 1944 में स्थापित किया गया था और पहली बार 1965 में प्रदान किया गया था।
- यह पुरस्कार भारतीय संविधान में मान्यता प्राप्त 22 "अनुसूचित भाषाओं" में से किसी में भी लेखकों को दिया जाता है और 2013 से अंग्रेजी भाषा में भी दिया जाता है।
- ज्ञानपीठ पुरस्कार के प्राप्तकर्ताओं को ₹11 लाख का नकद पुरस्कार, वाग्देवी की प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

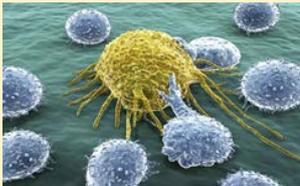
अल्ट्राडियन लय



अल्ट्राडियन लय (Ultradian Rhythm) के बारे में:

- अल्ट्राडियन लय एक ऐसी जैविकीय प्रक्रिया है जो हर 24 घंटे में एक से अधिक बार दोहराई जाती है।
- सर्कैडियन लय (24 घंटे का चक्र) के विपरीत, अल्ट्राडियन लय अधिक बार होती हैं और हृदय गति, श्वास, हार्मोन उत्सर्जन एवं मस्तिष्क तरंग गतिविधि जैसी प्रक्रियाओं को प्रभावित करती हैं।
- ये लय विशेष रूप से नींद चक्र में देखी जाती हैं, जिसमें तेजी से आंखों की गति (REM) और गैर-REM नींद के बारी-बारी से आने वाले चरण होते हैं जिनमें से प्रत्येक चक्र लगभग 90 मिनट तक चलता है।
- ये लय आवश्यक शारीरिक कार्यों को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जिनमें शारीरिक पुनर्स्थापना, गैर-REM नींद के दौरान स्मृति का समेकन और REM नींद के दौरान स्वप्न देखना शामिल है।
- ये हार्मोन उत्सर्जन के पैटर्न को प्रभावित करती हैं जैसे कि वृद्धि हार्मोन, कोर्टिसोल और इंसुलिन, जो पूरे दिन चयापचय, ऊर्जा स्तर और तनाव प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं।

टी कोशिकाएं



हाल ही में, वैज्ञानिकों ने कैंसर से लड़ने वाली T कोशिकाओं के एक नए रूप का निर्माण किया है जो मानक CAR T सेल डिजाइनों की तुलना में बेहतर दृढ़ता और सहनशक्ति दिखाते हुए चूहों में मल्टीपल मायलोमा ट्यूमर को दबा सकती हैं।

टी कोशिकाओं के बारे में:

- टी कोशिकाएं एक प्रकार की श्वेत रक्त कोशिकाएं हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली का हिस्सा हैं।
- इन्हें टी लिम्फोसाइट्स और थाइमोसाइट्स भी कहा जाता है।
- ये कोशिकाएं सक्रिय प्रतिरक्षा के दोनों घटकों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जिसमें कोशिका-मध्यस्थता और कुछ हद तक हास्य प्रतिरक्षा शामिल है।
- वे रोगजनकों, ट्यूमर और पर्यावरण से विभिन्न एंटीजन को पहचानने की क्षमता वाले एक रिसेप्टर को व्यक्त करते हैं।
- टी कोशिकाएं दो मुख्य प्रकार की होती हैं: साइटोटॉक्सिक टी-कोशिकाएं संक्रमित कोशिकाओं को नष्ट कर देती हैं जबकि हेल्पर टी-कोशिकाएं अन्य प्रतिरक्षा कोशिकाओं को संक्रमण से लड़ने के लिए संकेत भेजती हैं।
- टी कोशिकाओं को कई सृजन और ऑटोइम्यून बीमारियों के प्रमुख चालक के रूप में भी शामिल किया जाता है।
- प्रतिरक्षा प्रणाली को टी-सेल उत्पादन के लिए प्रोटीन की आवश्यकता होती है जिसे त्वचा रहित चिकन, मछली, अंडे, दाल, बीन्स और सोया जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों से प्राप्त किया जा सकता है।

सुर्खियों में व्यक्तित्व

गुलज़ार

गुलज़ार (18 अगस्त 1934 से अब तक)

संपूर्ण सिंह कालरा जिन्हें गुलज़ार के नाम से जाना जाता है। अपनी पीढ़ी के बेहतरीन उर्दू कवियों में से एक माने जाते हैं। इन्हें इनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार 2023 प्रदान करने की घोषणा की गई है।

योगदान:

- गुलज़ार "स्लमडॉग मिलियनेयर" जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए प्रसिद्ध हैं, जिसके लिए उन्होंने "जय हो" गीत के बोल लिखे जिसे 2009 में ऑस्कर और 2010 में ग्रैमी पुरस्कार मिला।
- उन्हें माचिस, ओमकारा, दिल से, गुरु और आंधी में उनके काम के लिए जाना जाता है।
- उन्होंने कोशिश, परिचय, मौसम और इजाज़त जैसी क्लासिक फिल्मों के साथ-साथ टेलीविजन धारावाहिक मिर्जा गालिब का भी निर्देशन किया है।

पुरस्कार और सम्मान:

उन्हें आभी तक उर्दू के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार (2002), दादा साहब फाल्के पुरस्कार (2013), पद्म भूषण (2004) और कम से कम पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं।

नैतिक मूल्य: मानवतावाद, अखंडता, सामाजिक चेतना, ईमानदारी, आदि।



Face to Face Centres





सुर्खियों में व्यक्तित्व

जगद्गुरु रामभद्राचार्य

जगद्गुरु रामभद्राचार्य (14 जनवरी 1950 से अब तक)

- पंडित गिरिधर, जिन्हें जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य के नाम से जाना जाता है एक प्रमुख भारतीय हिंदू आध्यात्मिक नेता, शिक्षक, संस्कृत विद्वान, कवि, लेखक और दार्शनिक हैं।
- वह दो माह की आयु से ही दृष्टिहीन हैं और उन्होंने सीखने या रचना करने के लिए कभी भी ब्रेल या किसी अन्य उपकरण का उपयोग नहीं किया है। इन्होंने इनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार 2023 प्रदान करने की घोषणा की गई है।

योगदान:

- वह मध्य प्रदेश के चित्रकूट में तुलसी पीठ (संत तुलसीदास के नाम पर एक धार्मिक और सामाजिक सेवा संस्थान) के संस्थापक और प्रमुख हैं। वर्तमान में 1982 से रामानंद संप्रदाय के चार जगद्गुरु रामानंदाचार्यों में से एक का पद संभाल रहे हैं।
- उन्होंने चार महाकाव्यों सहित 100 से अधिक पुस्तकें और ग्रंथ लिखे हैं।
- वह संस्कृत, हिंदी, अवधी और मैथिली सहित 22 भाषाओं में पारंगत हैं और कई भाषाओं में अपनी सहज कविता और लेखन के लिए जाने जाते हैं।

पुरस्कार:

साहित्य और अध्यात्म में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें 2015 में पद्म विभूषण मिला।

नैतिक मूल्य: करुणा, आध्यात्मिकता, मानवता, समर्पण, आदि।



हाल ही में, ऑयल मॉप एनवायर्नमेंटल सर्विसेज (ओएमईएस) के कर्मचारियों को त्रिनिदाद और टोबैगो के टोबैगो द्वीप में लाम्बेउ गांव नदी के मुहाने पर रिसाव से तेल निकालते देखा गया जिससे देश को इसके पर्यावरणीय प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन घोषणा पर विचार करने के लिए प्रेरित किया गया।
त्रिनिदाद और टोबैगो (राजधानी: स्पेन का बंदरगाह)



सुर्खियों में स्थल

त्रिनिदाद और टोबैगो

अवस्थिति: त्रिनिदाद और टोबैगो, आधिकारिक तौर पर ट्रिनिदाद और टोबैगो एक जुड़वां द्वीप देश है जो कैरेबियन के सबसे दक्षिणी भाग में स्थित है।

राजनीतिक सीमाएँ: त्रिनिदाद और टोबैगो अपनी समुद्री सीमाएँ बारबाडोस (पूर्व), ग्रेनेडा (उत्तर-पश्चिम) और वेनेजुएला (दक्षिण और पश्चिम) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- त्रिनिदाद और टोबैगो का उच्चतम बिंदु एल सेरो डेल अरिपो है, जिसे माउंट अरिपो के नाम से भी जाना जाता है।
- त्रिनिदाद और टोबैगो में कई नदियाँ हैं जिनमें कारोनी, ऑटोड्रे और नारिवा नदियाँ शामिल हैं जो द्वीपों की पारिस्थितिकी और जल विज्ञान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक डामर भंडार (काला या भूरा पेट्रोलियम जैसा पदार्थ जिसकी स्थिरता चिपचिपे तरल से लेकर कांच जैसे ठोस तक होती है) दक्षिण-पश्चिमी त्रिनिदाद में स्थित है।

POINTS TO PONDER

- कन्हना टाइगर रिजर्व जो हाल ही में सुर्खियों में बना है किस राज्य में स्थित है? - मध्य प्रदेश
- 16वां विश्व सामाजिक मंच 2024 का आयोजन कहाँ हुआ? - काठमांडू
- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना किस राज्य की पहल है जिसकी हाल ही में खबरों में चर्चा हुई थी? - उत्तर प्रदेश
- किस बैंक ने हाल ही में 'बेस्ट टेक्नोलॉजी बैंक ऑफ द ईयर अवार्ड' का खिताब हासिल किया? - दक्षिण भारतीय बैंक
- मध्य पूर्व में 'झीम ऑफ द डेजर्ट' ट्रेन शुरू करने वाला देश कौन सा है? - सऊदी अरब

Face to Face Centres

